वागड़ संदेश

Tital Code RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई मेल editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-233 सागवाड़ा, रविवार, 1 मई, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

ज़ील अस्पताल में 153 यूनिट रक्तदान हुआ, 3 को निकलेगी शोभायात्रा

सागवाड़ा में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के तहत हो रहे आयोजन

सागवाड़ा। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के तहत रविवार को विप्र फाउंडेशन जिला सागवाडा एवं सर्व ब्रामण समाज के की ओर से रक्त दान शिविर हुआ।

सागवाडा के जील मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में रविवार सुबह से शुरू हुए रक्तदान में युवाओं में भारी उत्साह दिखा। खड़गदा के सहस्त्र औदीच्य टोलकिया समाज के युवाओं, आदर्श कोलोंनी दिवडा छोटा, भट्ट मेवाड़ा ब्राह्मण समाज, पुनर्वास कोलोंनी, विप्र महाकाल मण्डल वागड, औदीच्य ब्राह्मण समाज सहित कई सामाजिक संगठनों ने रक्तदान शिविर में भाग लिया। 153 यूनिट रक्तदान हुआ।

विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष प्रकाश व्यास, महामन्त्री प्रदीप गामोठ, जिला संयोजक श्याम भट्ट, गोवाड़ी इकाई अध्यक्ष विमल दादा, जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर रमेश भट्ट, उप सरपंच अनिल पुरोहित, देवीलाल फलोत, डॉ. विमलेश पंडया की मौजूदगी में दिनभर रक्तदान शिविर हुआ। इस दौरान ज़ील के संस्थापक दिनबंधु त्रिवेदी सहित ज़ील अस्पताल के ब्लड बैंक प्रभारी और स्टाफ ने सहयोग किया।

जिला संयोजक श्याम भट्ट ने बताया कि भगवान परशुरामजी के जन्मोत्सव के तहत 3 मई को सागवाडा नगर में विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। गमलेश्वर महादेव मंदिर से शोभायात्रा पूरे नगर में शाम 5 बजे निकाली जावेगी।

शोभायात्रा कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर गामड़ा ब्रह्मणिया, गोवाड़ी, सागवाडा, जेठाणा, भीलूड़ा, खड़गदा, कानपुर, सेलोता, दिवडा बड़ा, दिवडा छोटा, वांदरवेड, सिलोही, चितरी, नंदोड़ टामटिया, बर्बोदनिया, ओबरी, डेचा, पादरा, पाडवा, ओड, कोकापुर, भासोर, कराडा, सामलिया, सरोदा, पादरड़ी बड़ी, बुचिया, वमासा सहित समूचे सागवाडा परिक्षेत्र सम्पर्क किया जा रहा है।

बलवाड़ा के पास वाहनों पर पथराव, कई गाड़ियों के शीशे फूटे

लूट के इरादे से कार की तरफ आ रहे एक बदमाश को कार चालक पकड़ा, साथी फरार

डूंगरपुर। डूंगरपुर से बिछीवाड़ा रोड पर बलवाड़ा के पास शनिवार देर रात रास्ते से गुजरने वाली गाड़ियों पर पथराव हुआ। इसमें कई गाड़ियों के शीशे फूट गए। लेकिन डर के मारे वाहनधारी बिना रुके गाड़ियां भगाकर ले गए। वहीं एक कार ड्राइवर ने हिम्मत दिखाकर लूट के इरादे से आए एक बदमाश युवक को पकड़ लिया, जबकि उसके दूसरे साथी भाग गए। पुलिस बदमाशो की तलाश कर रही है।

कोतवाली थाना क्षेत्र के बलवाड़ा के पास आए दिन रात के अंधेरे में पथराव की घटनाएं हो रही है। डूंगरपुर से बिछीवाड़ा रोड पर सुनसान जगह पर बदमाश लूट के इरादे से पहाड़ियों की तरफ से गाड़ियों पर पत्थर बरसाते है। शनिवार रात के समय भी पथराव की घटना हुई। रात करीब 10 बजे इस रास्ते से आने जाने वाली गाड़ियों पर अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई। इससे कई गाड़ियों के शीशे फूट गए। लूटपाट के डर से वाहनधारी बिना रुके भाग गए।

उसी समय बलवाडा गांव के ही रहने वाले इनायत खान अपने परिवार के साथ कार से उदयपुर की तरफ से आ रहे थे। घर से 200 मीटर दूर ही बदमाशो ने उनकी कार पर भी पत्थरबाजी की। इससे उनकी के आगे, साइड और पीछे के कांच फूट गए। अचानक पत्थरबाजी होते ही इनायत खान ने कार रोक ली। बदमाश पत्थर मारते हुए लूट के इरादे से कार की तरफ बढ़ने लगे। इनायत खान ने हिम्मत दिखाकर एक बदमाश को पकड़ लिया। वही उसके पकड़े जाते ही उसके दूसरे बदमाश साथी भाग गए। वही हो हल्ला सुनकर आसपास के दूसरे गांवों के लोग आ गए। घटना के बाद कोतवाली थाने से हेड कांस्टेबल सोहनलाल मौके पर पहुंचे। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम प्रकाश निवासी बलवाड़ा गांव का ही होना बताया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर ले गई। वही उसके दूसरे साथियों की पुलिस तलाश कर रही है।

मोबाइल एटीएम वैन' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास से राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक की मोबाइल एटीएम यूनिट वेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने मोबाइल एटीएम वेन का अवलोकन कर पहला ट्रांजेक्शन भी किया। राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक को नाबार्ड के सहयोग से कुल 4 मोबाइल एटीएम वैन उपलब्ध करवायी गई है। ये मोबाइल एटीएम वैन बैंक सेवा क्षेत्र के सभी जिलो में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों एवं ढ़ाणीयो में आमजन को बैकिंग सेवाएं प्रदान करेंगी।

आदिवासी समाज में बड़े पैमाने पर हो रहे धर्मांतरण पर चिंता जताई

* जनजाति सुरक्षा मंच की और से जनजाति समाज का जागरण सम्मेलन आयोजित
* धर्म परिवर्तित कर चुके जनजाति वर्ग के लोगों को एसटी वर्ग को दिए जाने वाले आरक्षण व अन्य लाभ रोकने संविधान संशोधन मांग

डूंगरपुर। जिले में जनजाति सुरक्षा मंच की और से जनजाति समाज का जागरण सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में सांसद कनकमल कटारा, आसपुर विधायक गोपीचंद मीणा ओर जनजाति समाज के साधु-संतों सहित डूंगरपुर व आसपास के जिलों से आए जनजाति समाज के लोगों ने शिरकत की। सम्मेलन में वक्ताओं ने आदिवासी समाज में बड़े पैमाने पर हो रहे धर्मांतरण पर चिंता जताई। सम्मेलन में धर्म परिवर्तित कर चुके जनजाति वर्ग के लोगों को एसटी वर्ग को दिए जाने वाले आरक्षण व अन्य लाभ रोकने के लिए संविधान संशोधन की पुरजोर मांग उठी। गोंड समाज के केंद्रीय अध्यक्ष एमडी ठाकुर ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान के अनुच्छेद 341 और 342 में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए की अखिल भारतीय एवं राज्यवार, आरक्षण एवं संरक्षण के लिए राष्ट्रपति द्वारा सूची जारी करने का प्रावधान हैं। ऐसी सूचियां अंतिम बार सन 1950 में जारी हुई है जबकि इसके बाद बड़े पैमाने पर जनजाति वर्ग के लोगो ने धर्म परिवर्तन कर लिया है। केंद्रीय टोली सदस्य बंशीलाल ने जानकारी देते हुए बताया कि जनजाति सुरक्षा मंच द्वारा 442 सांसदों से संपर्क कर डी-लिस्टिंग का कानून बनाने की मांग की है। बंशीलाल ने कहा कि जनजाति सुरक्षा मंच तब तक तक संघर्ष करेगा, जब तक धर्मांतरित ईसाई और मुसलमानों को स्ज्ञ की पात्रता और परिभाषा से बाहर नहीं निकाला जाता। समेल्लन को सांसद कनक मल कटारा, पूर्व मंत्री सुशील कटारा ओर आसपुर से विधायक गोपीचंद मीणा ने भी संबोधित करते हुए जनजाति समाज को जागृत होने का आह्वान किया।

विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर विभिन्न मजदूर व श्रमिक संगठनों ने जिला मुख्यालय पर रैली निकाली

डूंगरपुर। एक मई को मजदूर दिवस मनाया गया। इसी कड़ी में डूंगरपुर जिले में विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर विभिन्न मजदूर व श्रमिक संगठनों ने जिला मुख्यालय पर रैली निकालते हुए अपने अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की। भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र सीटू के बैनर तले विभिन्न मजदूर व श्रमिक संगठन बादल महल पर एकत्रित हुए और यहां से मजदूर व श्रमिकों ने अपने अधिकारों व विभिन्न मांगों को लेकर नारेबाजी करते हुए रैली निकाली। बदल महल से रवाना होकर रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी और कलेक्ट्रेटी पर जाकर संपन्न हुई। रैली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, साथिन, कुक कम हैल्पर, छात्रावास रसोईया, सफाईकर्मियों सहित असथाई संविदा कर्मी व अन्य श्रमिकों ने अपनी मांगों व अधिकारों को लेकर जमकर नारेबाजी की।

इधर इस मौके पर कलेक्ट्रेट के बाहर श्रमिकों की आमसभा भी हुई। आमसभा में श्रमिक नेताओं ने श्रमिकों को संबोधित करते हुए सरकार से सरकार से श्रमिको को हितो को ध्यान रखते हुए उनकी मांगो को पूरा करने की मांग की। वही अपने अधिकार व मांगों कें संबंध में जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति व राज्यपाल के नाम ज्ञापन भी दिया।

आज से शुरू होगा प्रशासन शहरों के संग का द्वितीय चरण, शिविर में 17 प्रकार के काम होंगे

24 जून तक वार्ड के शिविर आयोजित होंगे

सागवाड़ा। प्रशासन शहरों के संग अभियान का द्वितीय चरण आज से शुरू होगा जो 24 जून तक चलेगा। इसे लेकर पालिका की ओर तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके तहत वार्ड में शिविर लगाए जाएंगे। शिविर 2 मई सोमवार से शुरू होगा जो सुबह 10 बजे शुरू होगा। पालिकाध्यक्ष नरेंद्र खोडनिया ने बताया कि अभियान से अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करें, अभियान का द्वितीय चरण 1 मई से शुरू होगा जिसमे प्रति सप्ताह तीन दिन तक क्रमश वार्डों के शिविर का आयोजन कर आमजन को लाभान्वित करना है।

शिविर में परिषद कार्मिकों के अलावा अन्य विभागों के प्रतिनिधि बैठेंगे जिससे आमजन का एक ही जगह कार्य हो सके। खोडनिया ने बताया कि वार्ड 1 और 35 का शिविर नगर पालिका कार्यालय में होगा। इसी तरह 4, 5 व 6 को क्रमश: वार्ड नंबर 25, 26, 27, 28 का गामठवाड़ा स्थित यादब बस्ती के सामुदायिक भवन में, 10, 11 व 12 मई को वार्ड नबर 2, 3 व 9 का इंदिरा कालोनी स्थित सामुदायिक भवन में, 17, 18, 19 व 20 को वार्ड नंबर 14, 15, 16, 17, 18 का कुडारवाड़ा नर्सरी में शिविर आयोजित होंगे।

पालिका के अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार मोहिल ने बताया कि 24, 25 व 26 मई को वार्ड नंबर 19, 20 व 21 का महिपाल स्कूल में, 30 व 31 मई और 1व 3 जून को क्रमश: वार्ड नंबर 4, 5, 6, 7 व 8 का नगर पालिका कार्यालय, 6 व 7 जून को वार्ड नंबर 29 व 30 का महिपाल स्कूल में, 8, 9 व 10 को वार्ड नंबर 31, 32, 33 व 34 का पटेलवाड़ा नई आबादी स्कूल नं11 में, 13, 14, 15, 16 व 17 जून को वार्ड नंबर 1, 12, 13 व 35 का आसपुर रोड स्थित अग्निशमन केंद्र और 20, 21, 22, 23 व 24 जून को क्रमश: वार्ड नंबर10, 11, 22, 23 व 24 का शिविर महिपाल स्कूल में आयोजित होगा।

शिविर में ये काम होंगे

स्टेट ग्रांट के पट्टे, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र, भू उपयोग परिवर्तन, स्ट्रीट वेंडर ऋण, अन्य विभागों से संबंधित कार्य, खांचा भूमि आवंटन, विवाह प्रमाण पत्र, भवन निर्माण स्वीकृति, मुख्यमंत्री जन आवास, 90 क के तहत पट्टे, नल बिजली अनापत्ति पत्र, सड़क नाली निर्माण, प्रधानमंत्री आवास, 69ए के तहत पट्ट, कच्ची बस्ती नियमन, स्वरोजगार कार्यक्रम और नामांतरण पत्र के कार्य हो सकेंगे।

डूंगरपुर में रूटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन का टोटा

पिछले दो माह से नहीं हुई विभिन्न वैक्सीन की आपूर्ति, नवजात शिशुओ व गर्भवती महिलाओं का जीवन असुरक्षित

डूंगरपुर। जिले में रुटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन का टोटा होने से नवजात शिशुओ व गर्भवती महिलाओं के जीवन पर संकट के बादल छा गए है। डूंगरपुर जिले में सरकार की ओर से अंतिम बार फरवरी माह में रूटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन के तहत विभिन्न टीको की आपूर्ति की गई थी। लेकिन मार्च व अप्रैल माह में डिमांड भेजने के बाद भी अभी तक इन वेक्सिन की आपूर्ति नहीं हुई है।

जिसके चलते जिले में रुटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन का टोटा है और नवजात शिशुओ व गर्भवती महिलाओं का जीवन असुरक्षित है। शिशुओं को जीवित रहने के लिए टीकाकरण जरूरी है। नियमित टीकाकरण को छोड़ने से नवजात के जीवन पर जानलेवा प्रभाव पड़ सकता है।

शिशुओं के जीवन और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी और कम लागत का तरीका है। इधर किसी दृष्टि से सरकार की ओर से विभिन्न टीकाकरण अभियान भी चलाये जाते है। लेकिन प्रदेश के आदिवासी बहुल डूंगरपुर जिले में रुटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन का टोटा होने से नवजात शिशुओ व गर्भवती महिलाओं के जीवन पर संकट बना हुआ है। डूंगरपुर जिले में रुटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन कार्यक्रम के तहत बीसीजी, डीपीटी, पेंटा, टीडी, एमआर व आईपीवी वेक्सिन का स्टोक खत्म हो चूका है।

फ़रवरी माह में हुई थी अंतिम आपूर्ति

डूंगरपुर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेश शर्मा ने बताया की डूंगरपुर जिले में वर्तमान में रुटीन इम्युनाइजेशन वेक्सिन कार्यक्रम के तहत विभिन्न टीको की कमी है। उन्होंने बताया की सरकार की ओर से फ़रवरी माह में अंतिम बार टीको की आपूर्ति की गई थी। लेकिन उसके बाद से टीको की सप्लाई नहीं की गई है। डूंगरपुर जिला वेक्सिन स्टोर खाली हो चूका है। उन्होंने बताया की डूंगरपुर स्वास्थ्य विभाग की ओर से मार्च व अप्रैल माह के लिए डिमांड भेजी हुई हुई है लेकिन टीके उपलब्ध नहीं हो पाया है जिसके चलते नवजात बच्चो व गर्भवती महिलाओं को लगने वाले टीको के अलावा अन्य टीके नहीं लग पा रहे है।

टीकाकरण क्यों है जरुरी

टीकाकरण कराने से बच्चो के शरीर में रोग प्रतिरक्षण विकसित होता है और उनकी रोग से लड़ने की क्षमता बढती है। वही वेक्सिनेशन से बच्चो में कई संक्रामक बीमारियों की वक्त रहते रोकथाम हो जाती है। खसरा, टिटनस, पोलियो, क्षय रोग, गलघोटू, काली खांसी और हेपेटाईटिस जैसी बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगवाना सभी बच्चो के लिए जरुरी है। कुछ टीके गर्भवती महिलाओं को भी लगाए जाते है जिससे उन्हें व होने वाले शिशु को टिटनस व अन्य गंभीर बीमारियों से बचाया जा सकता है। इधर जिले में वेक्सिन की कमी पर डूंगरपुर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया की डिमांड भेजी हुई है और जल्द ही डिमांड की पूर्ति हो जायेगी।

'प्रशासन गांवों के संग अभियान' के फॉलोअप कैंप 15 मई से 30 जून तक चलाए जाएंगे

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने निवास पर राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया। राज्य प्रशासन के मजबूत अंग के रूप में राजस्व विभाग प्रदेश में राजस्व संबंधी मामलों को पारदर्शिता के साथ त्वरित गति से निस्तारण कर रहा है। राज्य सरकार द्वारा राजस्व के लंबित मामलों के निस्तारण के लिए पूर्व में चलाए गए 'प्रशासन गांवों के संग अभियान' के फॉलोअप कैंप 15 मई से 30 जून, 2022 तक चलाए जाएंगे। इनमें प्राप्त प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत प्रदान की जाएगी।

राजस्व विभाग की पहुंच प्रदेश के अंतिम छोर तक है। इसलिए विभागीय अधिकारी राजस्व वादों के निस्तारण की व्यवस्था को और सुदढ़ करें और ग्राम पंचायत तक पर्याप्त मॉनिटरिंग सुनिश्चित कराएं। राजस्व भू-अभिलेखों, नामांतरण, सीमाज्ञान, पत्थरगढ़ी, गैर खातेदारी से खातेदारी और भूमिहीन परिवारों को कृषि के लिए भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों सहित अन्य प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कर आमजन को राहत प्रदान कराने के निर्देश दिए।

प्रदेश के 33 जिलों की 369 तहसीलों में से 21 जिलों की 348 तहसीलों का राजस्व रिकॉर्ड ऑनलाइन हो गया है। शेष 21 तहसीलों को भी शीघ्र ऑनलाइन कराने के निर्देश दिए। राजस्व रिकॉर्ड संबंधित सर्वर की क्षमता बढ़ाने, भूमि की रूपांतरण प्रक्रिया में ऑटो एप्रूवल कराने के निर्देश दिए, ताकि कार्यों में पारदर्शिता आए।

राजस्व संबंधी कानूनों का निरंतर सरलीकरण किया जा रहा हैं। इनमें, राजस्थान भू-राजस्व नियम, 1963 के अतंर्गत संशोधन कर राजकीय विभागों को निर्धारित नॉर्म्स से अधिक भूमि आवंटन के लिए अधिकारिता आवंटन प्राधिकारियों (एसडीओ, जिला कलक्टर, संभागीय आयुक्त) को प्रदान की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित किए जाने के प्रयोजनार्थ नियमों में खातेदारी भूमि का संपरिवर्तन करने के लिए संशोधन कर प्रावधान किए गए है। सामाजिक एवं धार्मिक चैरिटेबल ट्रस्ट को चिकित्सा सुविधायें, शैक्षणिक सुविधायें, वृद्धाश्रम, अनाथालय, नारी निकेतन, लेप्रोसी सेंटर, असमर्थ व्यक्तियों के लिए केंद्र, व्यसन मुक्ति केंद्र, कन्या आश्रम एवं बाल गृह प्रयोजनार्थ संपरिवर्तन के लिए संपरिवर्तन प्रभार से मुक्त किया गया है।

दिव्यांग/मूकबधिर व्यक्तियों के लिए शैक्षणिक और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थानों के 30 वर्ष के लिए जारी पट्टा अवधि को 99 वर्ष तक विस्तारित करने एवं विस्तारित अवधि के संबंध में कोई प्रीमियम राशि प्रभारित नहीं किये जाने के संबंध में प्रावधान किए गए हैं। गैर मुमकिन भूमियों पर कृषि के लिए किए अतिक्रमणों के नियमन की तिथि 15 जुलाई 1994 को बढ़ाकर 15 जुलाई 2004 तथा सिवायचक भूमियों पर कृषि के लिए अतिक्रमणों के नियमन की तिथि एक जनवरी 2005 से बढ़ाकर एक जनवरी 2015 की गई है। वर्ष 2020-21, 2021-22 एवं 2022-23 में घोषित नवीन मंडियों एवं मिनी फूड पार्क की स्थापना के लिए राजकीय भूमि का आवंटन नि:शुल्क किए जाने का प्रावधान किया गया है।

भूमिहिनों को कृषि के लिए उपलब्ध कराएं भूमि

सिवायचक राजकीय भूमि का कृषि प्रयोजनार्थ आवंटन के लिए प्राप्त आवेदनों को निस्तारण कराने के निर्देश दिए। जिस तरह डूंगरपुर में 10297 आवेदनों में सभी को कुल 2288 हैक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई गई है, उसी तरह अन्य जिलों में भी शीघ्र कार्यवाही हो। बैठक में राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि राजस्व उच्चाधिकारी मामलों की नियमित मॉनिटरिंग कर रहे हैं, इससे आमजन को राहत मिल रही हैं। प्रमुख शासन सचिव राजस्व आनंद कुमार ने बताया कि नामांतरण प्रक्रिया अधिकतम 30 दिन में पूरी कराने की ओर बढ़ रहे है। इससे निस्तारण में तेजी आएगी। समीक्षा बैठक में राजस्व राज्य मंत्री सुखराम विश्नोई, मुख्य सचिव उषा शर्मा, राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह, प्रमुख शासन सचिव वित्त अखिल अरोरा सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे